besides the threat of the IMF which was there, the new threat of the SPF, Swaraj Paul fund, should be met by the people of this country.

---

## REFERENCE TO THE DEMAND FOR SETTING UP OF SODA ASH FACTORY AT PHULPUR, ALLAHABAD

**श्री रामपूजन पटेल** (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से कृषि मंत्री जी का ध्यान उत्तर प्रदेश के जनपद इलाहाबाद के फूलपुर स्थान पर सोडा ऐश कारखाना लगने के संबंध में आकर्षित करना चाहता हूं। फूलपुर में वर्तमान समय में इफको कारखाना बड़ी मात्रा में उर्वरक का उत्पादन कर रहा है। जहां पर कृषि मंत्री जी ने 30 दिसम्बर, 1981 को माननीय प्रधान मंत्री जी की उपस्थिति में यह घोषणा की थी कि फूलपुर में शीघ्रातिशीघ्र सोडा ऐश कारखाना लगेगा। जिसका स्वागत वहां की जनता ने बड़े ही उल्लास एवं हर्ष-ध्वनि से किया था और क्षेत्र में प्रसन्नता की लहर फैल गई थी। परन्तु अभी तक कोई ऐसा कदम नहीं उठाया गया जिससे जनता में निराशा एवं असंतोष की भावना जागृत हो रही है कि भारत सरकार के कृषि मंत्री द्वारा प्रधान मंत्री जी के समक्ष घोषणा करने के बावजूद भी क्या कारण हैं कि अभी तक सोडा ऐश कारखाना लगने का कार्य क्यों नहीं प्रारम्भ किया गया। जनता को विश्वास में रखना शासन का पुनीत का कार्य है। आज वहां की जनता क्या सोचे ? कि कार्य कब से प्रारम्भ होगा। यह फूलपुर संसदीय क्षेत्र एक बहुत ही पिछड़ा हुआ क्षेत्र है जो बेकारी की स्थिति से बच नहीं सका है। बेकारी एवं बेरोजगारी को दूर करने में सोडा ऐश कारखाने की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जिससे देश की आवश्यकता की पूर्ति भी होगी।

यह क्षेत्र देश के प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल जी का क्षेत्र रहा है, जहां पर ऐसा पुनीत कार्य करने की कृषि मंत्री जी ने घोषणा की है। इस संबंध में मैंने 17.3.83 को एक पत्र कृषि मंत्री जी को लिखा था परन्तु आज तक कृत कार्यवाही से मुझे अवगत नहीं कराया गया। कि क्या कार्यवाही हो रही है।

आवश्यकता एवं जनहित को ध्यान में रखते हुए कृषि मंत्री जी से मैं आपके माध्यम से निवेदन कर रहा हूं कि अपनी घोषणा के अनुसार कार्यवाही करके फूलपुर में सोडा ऐश कारखाना लगवाने का कष्ट करें जिससे जनता का विश्वास शासन के प्रति बना रहे।

---

## REFERENCE TO THE DEMAND FOR SETTING UP OF A CENTRAL SANSKRIT UNIVERSITY IN ANDHRA PRADESH

**श्री बी सत्यनारायण रेड्डी** (आंध्र प्रदेश) : महोदय, मैं भारत सरकार और शिक्षा मंत्री का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहता हूं कि आन्ध्र प्रदेश में एक संस्कृत विश्वविद्यालय की सख्त जरूरत है। आप सभी जानते हैं कि संस्कृत सभी भाषाओं की मां है—मदर आफ आल लैंग्युएजेज़—और न सिर्फ एक प्रांत, बल्कि सारे देश के लिए इस भाषा की सख्त जरूरत है, और न सिर्फ तेलुगु, कन्नड़, मराठी और मलयालम बल्कि हिन्दुस्तान की सभी भाषाएं बोलने वाले हैं, उनके लिए संस्कृत का जानना बहुत ही लाभदायक है।

तो कुछ अरसे से आन्ध्र प्रदेश की जनता की यह मांग रही है कि केन्द्र